प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 1 दिसंबर 2025

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)

भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

सर्दियों की ऋतु (दिसंबर 2025- फरवरी 2026) के दौरान तापमान का आउटलुक और दिसंबर 2025 के दौरान बारिश और तापमान का पूर्वानुमान

Outlook for the Temperatures during Winter Season (Dec.2025- Feb.2026) and Forecast for the Rainfall and Temperatures during December 2025

मुख्य बातें

क) आने वाली सर्दियों की ऋतु (दिसंबर 2025 से फरवरी 2026) के दौरान, मध्य भारत और उससे सटे प्रायद्वीपीय और उत्तर पश्चिम के ज़्यादातर हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे तापमान रहने की संभावना है। देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है। इस ऋतु के दौरान, देश के ज़्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे रहने की उम्मीद है। हालांकि, उत्तर पश्चिम भारत, पूर्वोत्तर भारत और हिमालय की तलहटी वाले इलाकों सहित कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

ख) आने वाली सर्दियों की ऋतु (दिसंबर 2025 से फरवरी 2026) के दौरान, मध्य भारत के कुछ हिस्सों के साथ-साथ उत्तरपश्चिम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों में शीत लहर/कोल्ड वेव वाले दिन सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

ग) दिसंबर 2025 के दौरान, मध्य और उत्तर पश्चिम के ज़्यादातर हिस्सों, प्रायद्वीपीय भारत के उत्तरी हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे मासिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है। देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है। दिसंबर 2025 के दौरान देश के ज़्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय मध्य भारत और उससे सटे उत्तरपश्चिम और प्रायद्वीपीय भारत के कई इलाकों को छोड़कर, जहाँ सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान रहने की संभावना है।

घ) दिसंबर 2025 के दौरान उत्तरपश्चिम, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में शीत लहर/कोल्ड वेव सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

ङ) दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, जिसमें पाँच मौसम विज्ञान संबंधी उपखंड (तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, कोस्टल आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, केरल और माहे और साउथ इंटीरियर कर्नाटक) शामिल हैं, में दिसंबर 2025 में मासिक वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का 69-131%) रहने की सबसे ज़्यादा संभावना है। दिसंबर 2025 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का 79-121%) रहने की सबसे ज़्यादा संभावना है। प्रायद्वीपीय भारत और पश्चिम-मध्य भारत के कई इलाकों के साथ-साथ पूर्व-मध्य और उत्तर पूर्व भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद है। हालांकि, उत्तर-पश्चिम भारत के ज़्यादातर हिस्सों और पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व भारत के कई इलाकों में सामान्य से नीचे बारिश होने की संभावना है।

सर्दियों की ऋतु (दिसंबर 2025- फरवरी 2026) के दौरान तापमान का आउटलुक और दिसंबर 2025 के दौरान बारिश और तापमान का पूर्वानुमान

1. पृष्ठभूमि

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी/IMD) ने हाल ही में देश में बारिश और तापमान के महीनेवार और सीज़नल अनुमान जारी करने के लिए मल्टी-मॉडल एनसेंबल (MME) आधारित पूर्वानुमान प्रणाली का इस्तेमाल करके एक नई रणनीति/स्ट्रेटेजी अपनाई है। एमएमई/MME दृष्टिकोण में अलग-अलग वैश्विक जलवायु प्रागुक्ति एवं अनुसंधान केंद्रों / ग्लोबल क्लाइमेट प्रेडिक्शन और रिसर्च सेंटर्स के युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल/कपल्ड ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल्स (सीजीसीएम/CGCMs) का इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें IMD द्वारा सीज़नल अनुमान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला मॉनसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम (एमएमसीएफएस/MMCFS) मॉडल भी शामिल है।

अब, IMD ने आने वाली सर्दियों की ऋतु (दिसंबर 2025 से फरवरी 2026) के लिए तापमान का एक ऋतुनिष्ठ आउटलुक तैयार किया है, जिसमें शीत लहरों का अनुमान और दिसंबर 2025 के लिए बारिश और तापमान का महीनेवार अनुमान शामिल है।

2. दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के लिए ऋतुनिष्ठ तापमान का पूर्वामान

चित्र 1 और चित्र 2 दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 (दिसंबर जनवरी फरवरी/DJF 2025/26) सीज़न के दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान के लिए संभावित अनुमान दिखाते हैं। यह बताता है कि आने वाली सर्दियों की ऋतु (दिसंबर 2025 से फरवरी 2026) के दौरान, मध्य भारत और आस-पास के प्रायद्वीपीय और उत्तर-पश्चिम भारत के ज़्यादातर हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है। देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है (चित्र 1)।

इस सीज़न के दौरान, देश के ज़्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे रहने की उम्मीद है। हालांकि, कुछ इलाकों, जिनमें उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्से, उत्तर-पूर्व भारत और हिमालय की तलहटी वाले इलाके शामिल हैं, में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है (चित्र 2)।

3. दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 सीज़न के लिए शीत लहर/कोल्ड वेव आउटलुक

दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 सीज़न के लिए देश में शीत लहर/कोल्ड वेव वाले दिनों की सामान्य संख्या की तुलना में शीत लहर/कोल्ड वेव वाले दिनों की संख्या का अनुमान चित्र 3 में दिया गया है। आने वाले सर्दियों के सीज़न (दिसंबर 2025 से फरवरी 2026) के दौरान मध्य भारत के कुछ हिस्सों के साथ-साथ उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ इलाकों में सामान्य से अधिक शीत लहर/कोल्ड वेव वाले दिन रहने की संभावना है।

सामान्य से अधिक शीत लहर/कोल्ड वेव की स्थिति से कमज़ोर तबके के लोगों, जैसे बुज़ुर्गों, बच्चों और पहले से किसी मेडिकल कंडीशन वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य जोखिम बढ़ सकता है। सुबह-सुबह कोहरा दृश्यता (विज़िबिलिटी) कम कर सकता है और सड़क, रेल और हवाई ट्रांसपोर्ट में रुकावट डाल सकता है, जबकि स्थिर वायुमंडलीय स्थितियों से कुछ शहरी इलाकों में वायु गुणता (एयर क्वालिटी) और खराब हो सकती है। हीटिंग की मांग में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है। मौसम के प्रति संवेदनशील क्षेत्र — जैसे खेती, बागवानी और दिहाड़ी मज़दूर — को लंबे समय तक ठंड के मौसम में संक्रियात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे पूरी तैयारी रखें, और जनता को ज़रूरी सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए और लोकल एडवाइज़री का पालन करना चाहिए। आम लोगों और संबंधित एजेंसियों, दोनों को समय पर अपडेट के लिए IMD की रोज़ाना की पूर्व-चेतावनी सेवा (अर्ली-वॉर्निंग सर्विस) के ज़रिए जारी होने वाले प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान/इम्पैक्ट-बेस्ड फोरकास्ट (IBF) पर नियमित नज़र रखने के लिए कहा जाता है।

4. दिसंबर 2025 के दौरान तापमान का संभावित पूर्वानुमान

चित्र 4 और चित्र 5 में दिसंबर 2025 के दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान दिखाया गया है। मध्य और उत्तर पश्चिम भारत के ज़्यादातर हिस्सों, प्रायद्वीपीय भारत के उत्तरी हिस्सों में मासिक न्यूनतम तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है (चित्र 4)। दिसंबर 2025 के दौरान देश के ज़्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान (चित्र 5) सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय मध्य भारत और आस-पास के उत्तर-पश्चिम और प्रायद्वीपीय भारत के कई इलाकों को छोड़कर, जहाँ अधिकतम तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।

5. दिसंबर 2025 के लिए शीत लहर/कोल्ड वेव का आउटलुक

दिसंबर 2025 में देश में शीत लहर/कोल्ड वेव वाले दिनों की सामान्य संख्या की तुलना में शीत लहर/कोल्ड वेव वाले दिनों की संख्या का अनुमान चित्र 6 में दिखाया गया है। दिसंबर 2025 के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ हिस्सों में शीत लहर/कोल्ड वेव की घटना सामान्य से अधिक होने की संभावना है।

6. दिसंबर 2025 के दौरान बारिश का संभावित पूर्वानुमान

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, जिसमें पाँच मौसम विज्ञान संबंधी उपखंड (तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, कोस्टल आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, केरल और माहे और साउथ इंटीरियर कर्नाटक) शामिल हैं, में दिसंबर 2025 में मासिक वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का 69-131%) रहने की सबसे ज़्यादा संभावना है। 1971 से 2020 के डेटा के आधार पर, दिसंबर के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में बारिश का एलपीए/LPA लगभग 43.0 मिमी है। दिसंबर 2025 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का 79-121%) रहने की सबसे ज़्यादा संभावना है। 1971 से 2020 के डेटा के आधार पर, दिसंबर महीने के दौरान पूरे देश में बारिश का एलपीए/LPA लगभग 15.9 मिमी है।

दिसंबर 2025 महीने के लिए देश भर में टर्साइल बारिश की कैटेगरी (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से नीचे) का संभावित पूर्वानुमान चित्र 7 में दिखाया गया है। प्रायद्वीपीय भारत और पश्चिम-मध्य भारत के कई इलाकों के साथ-साथ पूर्व-मध्य और उत्तर पूर्व भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद है। हालांकि, उत्तर पश्चिम भारत के ज़्यादातर हिस्सों और पूर्व-मधय और उत्तर-पूर्व भारत के कई इलाकों में सामान्य से नीचे बारिश होने की संभावना है। मानचित्र में दर्शाए गए बिंदीदार क्षेत्रों में दिसंबर के दौरान जलवायु विज्ञान की दृष्टि से बहुत कम वर्षा होती है और भूमि पर सफेद छायांकित क्षेत्र मॉडल द्वारा किसी पूर्वानुमान संकेत का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

7. प्रशांत और हिंदी महासागर में समुद्र सतह तापमान (एसएसटी/SST) स्थितियां

वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में कमजोर ला नीना स्थितियां बनी हुई हैं। मॉनसून मिशन क्लाइमेट फोरकास्ट सिस्टम (एमएमसीएफएस/MMCFS) और दूसरे जलवायु मॉडल के नवीनतम पूर्वानुमान से पता चलता है कि दिसम्बर जनवरी फरवरी/DJF 2025 - 26 सीज़न तक मध्यम से काफी अधिक संभावना (लगभग 62%) ला नीना स्थिति बने रहने की है, और उसके बाद तटस्थ ईएनएसओ/ENSO कंडीशन में बदलाव की संभावना है।

प्रशांत क्षेत्र पर ENSO स्थितियों के अलावा, हिंदी महासागर समुद्र सतह तापमान (SSTs) जैसे दूसरे घटक भी भारतीय जलवायु पर असर डालते हैं। वर्तमान में, हिंदी महासागर पर नकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी/IOD) स्थिति बनी हुई हैं। नवीनतम एमएमसीएफएस/MMCFS पूर्वानुमान से पता चलता है कि ये नेगेटिव IOD स्थित कमजोर होने की संभावना है, और DJF सीज़न के दौरान और उसके बाद तटस्थ स्थिति में परिवर्तित होने की संभावना बढ़ रही है।

8. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम – रेंज पूर्वानुमान सेवाएँ

IMD देश भर में बारिश और अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान कि विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (अगले चार हफ़्तों के लिए 7-दिन का औसत पूर्वानुमान) भी देता है, जिसे हर हफ़्ते गुरुवार को अपडेट किया जाता है। यह IMD में अभी चल रहे मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल डायनामिकल एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्टिंग सिस्टम पर आधारित है। एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट IMD वेबसाइट https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php पर उपलब्ध हैं।

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद IMD रोज़ाना लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान जारी करता है। पूर्वानुमान IMD वेबसाइट https://nwp.imd.gov.in/gfsproducts_cycle00_mausam.php पर उपलब्ध हैं।

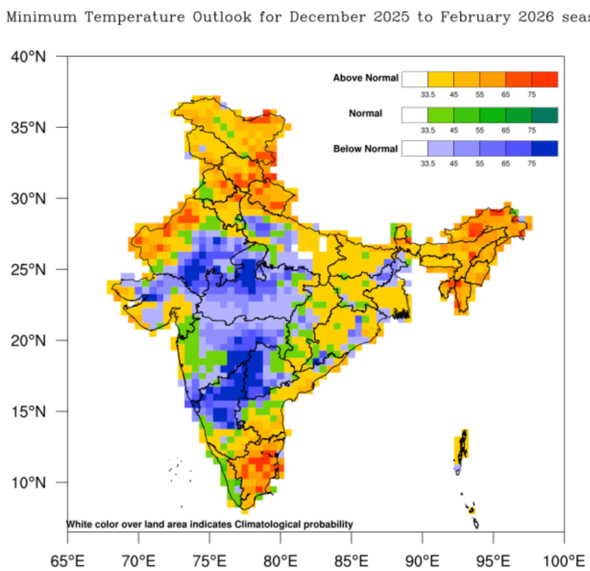

चित्र 1. दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के लिए न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान

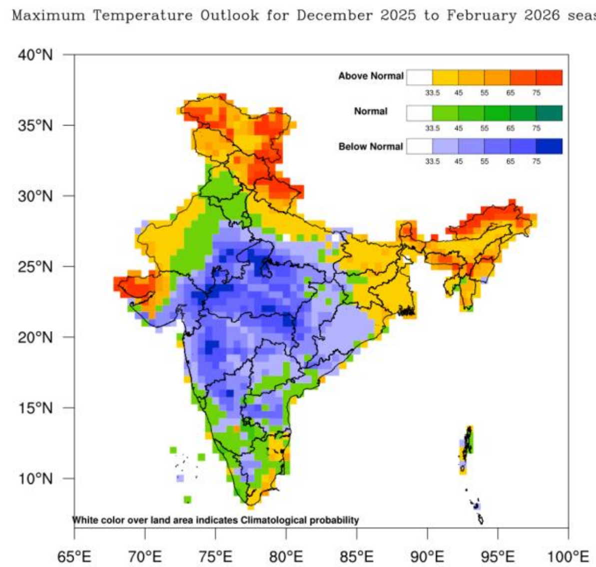

चित्र 2. दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान

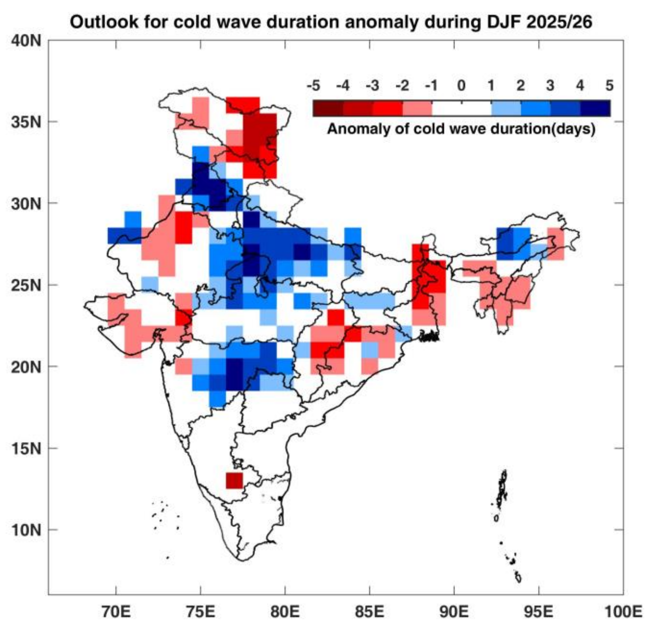

चित्र 3. दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के लिए शीत लहर/कोल्ड वेव अवधि (दिनों) की असंगती (सामान्य से विचलन)

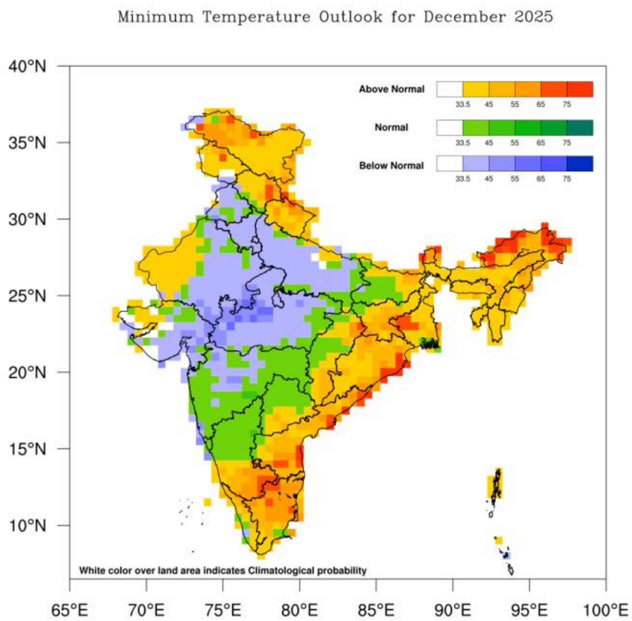

चित्र 4. दिसंबर 2025 के लिए न्यूनतम का संभावित पूर्वानुमान

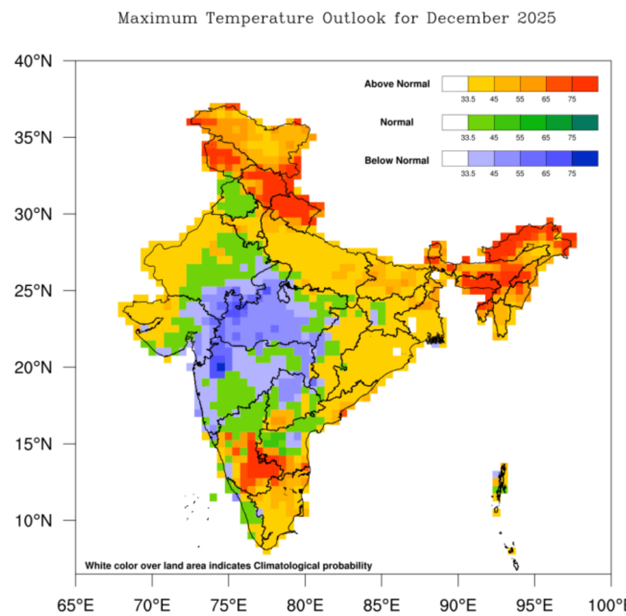

चित्र 5. दिसंबर 2025 के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान

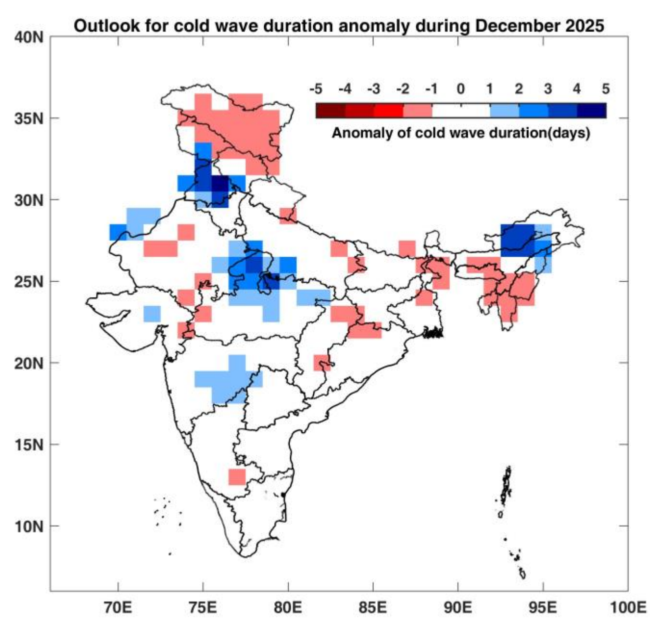

चित्र 6. दिसंबर 2025 के लिए शीत लहर/कोल्ड वेव अवधि (दिनों) की असंगती (सामान्य से विचलन)

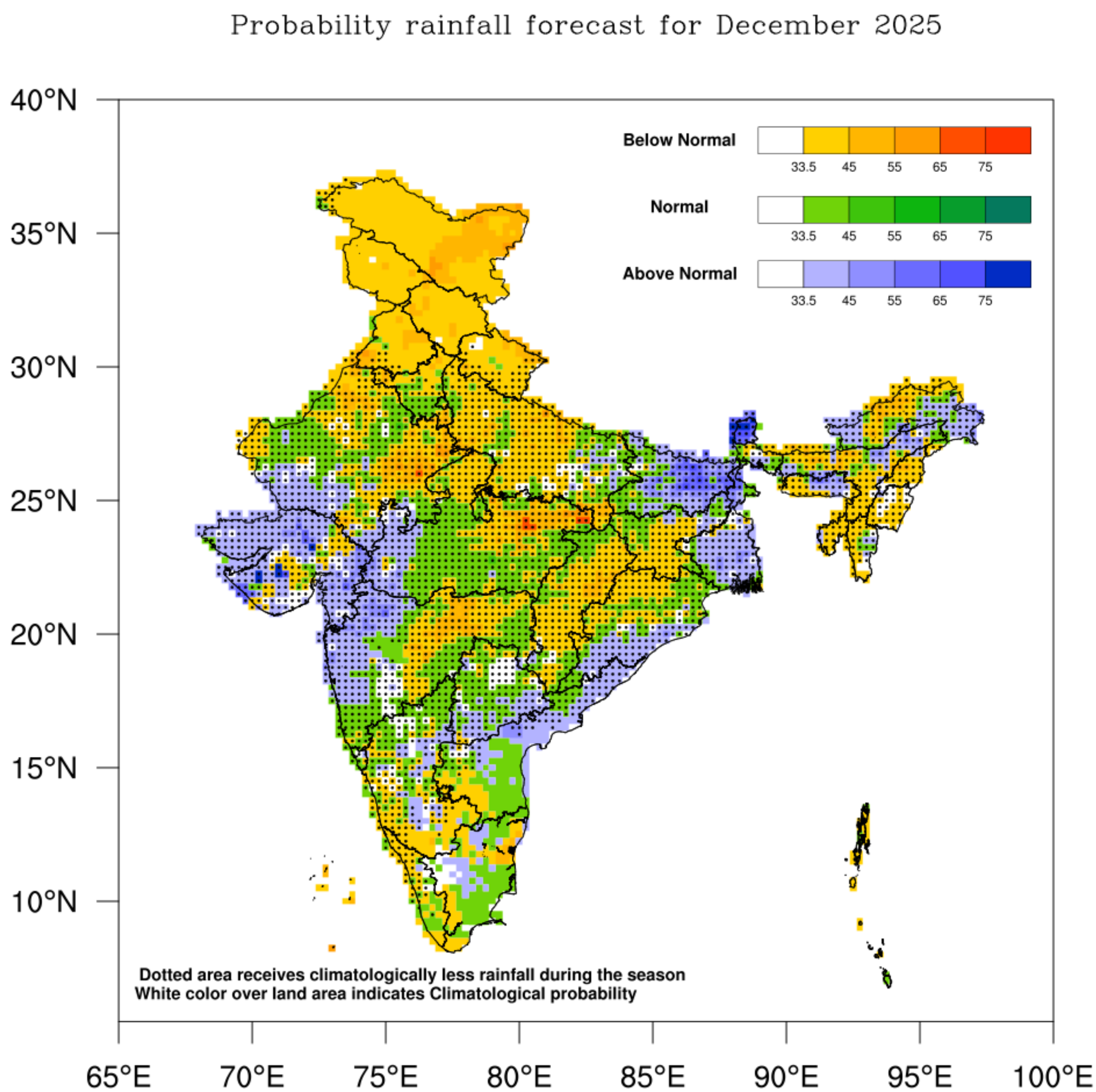

चित्र 7. दिसंबर 2025 के दौरान भारत में टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) में वर्षा का संभाव्य पूर्वानुमान। यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है। मानचित्र में दर्शाए गए बिंदीदार क्षेत्रों में दिसंबर के दौरान जलवायु विज्ञान की दृष्टि से बहुत कम वर्षा होती है और भूमि पर सफेद छायांकित क्षेत्र मॉडल द्वारा किसी पूर्वानुमान संकेत का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।
(*टर्साइल श्रेणियों की जलवायु विज्ञान संबंधी संभावनाएँ समान हैं, प्रत्येक की 33.33%)।